भारत डायनामिक्स लिमिटेड
(रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का उद्यम)
निगम कार्यालय: गच्ची बाउली, हैदराबाद

बीडीएल/104/बीडी - सीसी/एमआर/04 | 19 नवंबर, 2021

<u>मीडिया रिलीज</u>

<u>माननीय प्रधानमंत्री ने बीडीएल की झाँसी इकाई की आधारशिला रखी</u>

1. भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज यूपी डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत झाँसी में भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) की एक नई विनिर्माण इकाई की स्थापना के लिए ***आधारशिला*** रखी।

2. बी डी एल भारतीय सशस्त्र सेनाओं को उत्कृष्ट तकनीक युक्त एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल, ज़मीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल, हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, पानी के भीतर मार करने वाले अस्त्र सहित प्रतिमारक प्रणाली बनाकर आपूर्त करने वाला दुनिया का एक चुनिंदा उद्यम है। बीडीएल ने ड्रोन से दागे जाने वाले बम भी डिज़ाइन कर विकसित किये हैं।

3. झाँसी में आने जा रही यह कंपनी की छठी विनिर्माण इकाई होगी और उत्तर भारत की पहली, जिसका पंजीकृत कार्यालय हैदराबाद में स्थित है।

4. माननीय प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि झाँसी की इस नई इकाई में एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल के लिए बनाये जाने वाले घटक इस क्षेत्र को एक नई पहचान देंगे। बी डी एल द्वारा बनाये जाने वाले इन एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल से हमारी सेनाएँ और सशक्त व सीमाएँ अधिक सुरक्षित होंगी।

5. उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि बी डी एल को आबंटित भूमि संबंधी लीज अग्रीमेंट व रजिस्ट्रेशन सहित सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली गयी हैं। उम्मीद है कि यह नई इकाई बनकर तैयार हो जाएगी।

6. इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट, माननीय एम एस एम ई राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, झाँसी के माननीय सांसद श्री अनुराग शर्मा, चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ जनरल बिपिन रावत और सचिव (रक्षा) डॉ. अजय कुमार ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

7. बी डी एल की ओर से इसके अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमोडोर सिद्धार्थ मिश्रा (सेवानिवृत्त), निदेशक (तकनीकी) श्री एन पी दिवाकर, निदेशक (उत्पादन) श्री पी राधाकृष्ण, निदेशक (वित्त) श्री एन श्रीनिवासुलु, मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. उपेंद्र वेन्नम, आईपीओएस, अधिशासी निदेशक (विपणन) कमोडोर टी एन कौल (सेवानिवृत्त), अधिशासी निदेशक (कंचनबाग यूनिट और पीएसजी) कमोडोर ए माधवराव (सेवानिवृत्त) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

8. कमोडोर सिद्धार्थ मिश्रा (सेवानिवृत्त), सीएमडी, बीडीएल ने इस अवसर पर कहा कि बीडीएल की झाँसी की इस नयी इकाई में मिसाइल संबंधी प्रपल्शन सिस्टम बनाये जाएँगे जिनका उपयोग सभी तरह के ऐंटी टैंक गाइडेड मिसाइल और आने वाले समय में बनाये जाने वाली मिसाइलों में किया जाएगा। प्रयोगकर्ता के रूप में ग्राहकों को विश्व स्तरीय अस्त्र प्रणाली देने की क्षमताओं को और मजबूत बनाने के लिए लागू की जा रही 'बैकवर्ड इंटीग्रेशन योजना' याने दूसरों से ये सिस्टम लेने के बजाय खुद इन्हें बनाने की दिशा में ऐसी परियोजना की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा कि इस नयी इकाई में विभिन्न किस्म की टेक्नोलॉजी स्थापित करने पर लगभग 400 करोड़ रुपये तक खर्च किये जाएँगे।

9. बीडीएल ने यह यूनिट स्थापित करने के लिए यूपी डिफेंस कॉरिडोर के अन्तर्गत झाँसी में जमीन का अधिग्रहण किया है। कंपनी का मानना है कि 2023 तक यह सुविधा परिचालनीय हो जाएगी और इसके पूरी तरह चालू हो जाने के बाद इस क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार के बहुत सारे अवसर उपलब्ध होंगे।

10. इस बात की भी उम्मीद है कि बीडीएल की झाँसी इकाई के चालू हो जाने के बाद एमएसएमई की इकाइयाँ भी अनुषंगी इकाई के रूप में स्थापित हो पाएँगी।

11. बीडीएल हमेशा अपने कार्यक्रमों में स्वदेशीकरण की अवधारणा पर ध्यान केंद्रित करता रहा है और स्वदेशी सामग्री को अधिकतम करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाते रहे हैं। बीडीएल ने विदेशी सहयोग से जिन कार्यक्रमों को हाथ में लिया है उनमें मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के समर्थन से अनुबंधित स्वदेशीकरण सामग्री के प्रतिशत से भी अधिक वस्तुओं का स्वदेशीकरण करने में सफलता पायी है। बीडीएल में स्वदेशीकरण का औसतन प्रतिशत 80 से 90 के बीच है। कंपनी की ऐसी ही दूरदर्शी सोच ने आयात लागत को कम करने और भारतीय सशस्त्र बलों को प्रतिस्पर्धी मूल्य वाले उत्पादों की पेश करने में मदद की है। यह सोच एक ऐसा महत्वपूर्ण कारक बना है जिससे सशस्त्र सेना बलों को बीडीएल से सुनिश्चित उत्पाद प्रयोगकाल तक सेवा समर्थन के साथ नवीनतम उत्पाद मिल पा रहे हैं। भारत सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के अनुरूप, बीडीएल ने एमएसएमई सहित कई विक्रेताओं को शामिल करके अपनी स्वदेशीकरण प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाया है, जो सरकार के 'सृजन' पोर्टल के माध्यम से घटकों का स्वदेशीकरण करते हैं। बीडीएल के पास एक मजबूत विक्रेता इको सिस्टम और पूरे देश में फैली एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला है।

12. बीडीएल के पास प्रमुख संस्थानों से चुनकर लायी गई प्रतिभाओं से लैस एक मजबूत आंतरिक अनुसंधान एवं विकास प्रभाग है। यह प्रभाग सशस्त्र सेना बलों के लिए अत्याधुनिक हथियार विकसित करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने में लगा है। जबकि, इन-हाउस आर एंड डी डिवीजन के अंतर्गत स्थापित मिसाइल विकास समूह अगली पीढ़ी के मिसाइल कार्यक्रमों पर काम कर रहा है। बीडीएल ने अगली पीढ़ी के हथियार विकसित करने के लिए विदेशी ओईएम और स्टार्ट-अप कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन / समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

13. बीडीएल विदेशों के साथ 'कारोबार में सरलता' के उद्देश्य से तैयार सरकारी नीतियों का अनुगमन करते हुए मित्र देशों को अपने उत्पादों की पेशकश कर वैश्विक बाजार में अपनी पहचान का विस्तार कर रहा है। कंपनी की ओर से पहले ही एक मित्र देश को टॉरपीडो का निर्यात हो चुका है। साथ ही, बीडीएल को आकाश अस्त्र प्रणाली के निर्यात के लिए भी अन्य मित्र देशों से लीड प्राप्त हुई हैं।